



किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो: 9891706853

दैनिक समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश, दिल्ली एनसीआर, हरियाणा, पंजाब बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखण्ड असम से प्रसारित



वर्ष: 2 अंक: 25 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) रविवार 05 नवम्बर 2023

<http://samajjagran.in>

पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

वर्ल्ड कप का स्विकृति बड़ा मैच, पहली बार कोई टीम 400 रन बनाकर हारी, पाकिस्तान सेमीफाइनल की ओर

इस दिल्ली पाकिस्तान ने वर्ल्ड कप 2023 में इतिहास रच दिया है। टीम ने टूटामैंट के 35वें मुकाबले में शनिवार को न्यूजीलैंड को डकवर्थ लुईस नियम से 21 रन से हराया। वर्ल्ड कप के 48 साल के इतिहास में पहली बार कोई टीम 400 रन बनाने के बाद हारी है। मैच में न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 401 रन बनाए, रचन रवींद्र ने 108 रन की बेहतरीन पारी खेली। जवाब में बारिश के कारण 2 बार रोका गया। पाकिस्तान ने खेल रोके जाने तक 25.3 ओवर में एक विकेट पर 200 रन बना लिए थे। डकवर्थ लुईस नियम से पाकिस्तान की टीम 21 रन से अग्रे थी। इस तरह से उसे विजेता घोषित किया गया। पाकिस्तान और न्यूजीलैंड दोनों ने टीमों के 8-8 मैच के बाद 8-8 अंकों हो गए हैं। लेकिन नेट रनरेट के कारण न्यूजीलैंड चौथे और पाकिस्तान की टीम पांच विकेट टेकल में छठे नंबर पर है। पाक की जीत की हीरो फखर जामान रहे, वे 81 गेंद पर 126 रन बनाकर नाबाद रहे। 8 चौके और 11 छक्के लगाए, वहीं कप्तान बाबर आजम



63 गेंद में 66 रन बनाकर नाबाद रहे, 6 चौके और 2 छक्के लगाया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 141 गेंद में नाबाद 194 रन की बड़ी साझेदारी की। यानी हर ओवर में 8 से अधिक रन बनाए।

वर्ल्ड कप के इतिहास की बात करें, तो इससे पहले 5 बार 400 से अधिक रन बने थे और हर बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत मिली थी। 2023 में

साउथ अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ 428 रन बनाए, वहीं 2015 में ऑस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान के खिलाफ 417, 2007 में भारत ने बर्मूडा के खिलाफ 413, 2015 में साउथ अफ्रीका ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 411 और वेस्टइंडीज के खिलाफ 408 रन बनाए थे। पाकिस्तान को वर्ल्ड कप के अपने अंतिम मैच में 11 नंबर को जीत मिली थी।

है। वर्ल्ड कप के इतिहास में दूसरी पारी में कभी भी 400 रन नहीं बने हैं। बाबर आजम की टीम को नेट रनरेट सुधारने के लिए यह मैच बड़े अंतर से जीतना होगा। वहीं न्यूजीलैंड की टीम अपने अंतिम मैच में 9 नंबर को श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी।

लगातार 4 हार के बाद वापसी वर्ल्ड कप के भौजूदा सीजन की बात करें, तो पाकिस्तान ने अपने दोनों शुरूआती मैच जीते। टीम ने पहले नीदरलैंड्स को 81 रन से हराया। फिर श्रीलंका के खिलाफ 345 रन बनाकर 6 विकेट से बड़ी जीत दर्ज की। 14 अक्टूबर को अहमबाबाद में टीम इंडिया के खिलाफ 7 विकेट से मिली हार के बाद पाकिस्तान की टीम लग ही भटक गई। इसके बाद टीम ने लगातार 4 मैच गंवाए। भारत से मिली हार के बाद उसे ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका से हार मिली। इसके बाद टीम ने पहले बांगलादेश और अब न्यूजीलैंड को हराकर बेहतरीन वापसी की है।

मेला समापन से पहले ही उजड़ने लगा प्रसिद्ध घोड़ा बाजार, बाराबंधी। जिले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान रखने वाले देवा मेला का गंगा इस बार फीका पड़ गया है। अनुमान लगाया जा रहा था कि इस बार का देवा मेला जबरदस्त होगा, लेकिन इसके उलट में आप यापारियों को मायूसी हाथ लगी है। एक तरफ मेला परियार्थी में कई सालों के मुकाबले 60 प्रतिशत भीड़ कम रही, वहीं मेले में लाने वाला प्रसिद्ध घोड़ा बाजार समापन से 5 दिन पहले ही उजड़ने लगा है।

मंडी में देखने पर अब 100 से 150 घोड़े ही रह गए हैं और वो भी इस्पत्नीय क्षेत्रीय जो यापारी और किसान अच्छी कीमत मिलने की आशा लिए हजारों रुपए ट्रांसपोर्ट पर खर्च करके आए थे, अब उनके पास अपने घोड़ों को बापाप से जाने के लिए पैसे नहीं हैं। देवा घोड़ा मंडी में पशु बिक्री का अंकड़ा इस बार पिछले 10 सालों में सबसे खराब रहा, मंडी में बचे व्यापारियों की माने तो इस बार सिर्फ 400 से 500 घोड़े ही बिके, जबकि पिछले साल भारी बारिश होने के बावजूद ये अंकड़ा 3000 के पार था।

पत्रकाद को गाली व धमकी देना तथा न्याय से वंचित दर्शना धानेदाद को पड़ा नहंगा।

न्यायालय के आदेश पर धानेदाद के विरुद्ध दर्ज हुआ प्राथमिकी, एफआईआर की पुष्टि नहीं।

धानेदारों के सामने बरीय पदाधिकारियों का क्या मजबूरी है और क्यों धानेदारों को जुलूम करने की छूट है, यह तो पता नहीं है!

समाज जागरण, अनिल कुमार मिश्र, बूरोजीवी विहार झारखण्ड प्रदेश / सत्य प्रकाश नारायण सहायक विधि संवाददाता विहार प्रदेश।

विहार प्रदेश के अंगांवाद के लिए का अन्याथा थाना क्षेत्र में धानेदाद द्वारा हमलावरों के बचाव पक्ष में महिला पत्रकार पर हुए जान लेवा हमलों में जख्मी पत्रकार को जख्म प्रतिवेदन से वंचित रखना, धानेदाद द्वारा सरेआम अम्बा थाना कैप्स में महिला पत्रकार को अश्वीलता भरी गाली देने के साथ महिला पत्रकार को...कहना और अवेदन को बदलवाकर थाना से भगा देना, आरोपियों से समझौता नहीं करने पर पुरे परवार को जेल भेज देने का विश्व



घटनाओं का अंजाम दिलाने के विश्वद्वारा महिला पत्रकार द्वारा मुख्य न्यायाधीश दण्डाधिकारी और राजावाद के न्यायालय में परिवाद पत्र खालिक किया गया था। प्राप्त खबरों के अनुसार न्यायालय के आदेश पर अम्बा के धानेदार के विश्वद्वारा धानेदाद को दर्ज किया गया है किन्तु धानेदार के विश्वद्वारा धानेदार की छपिकी दर्ज किया गया है किन्तु धानेदार के विश्वद्वारा एफआईआर की पुष्टि नहीं।

तथ्य चाहें जो भी हो किन्तु दलालों की गिरफ्त में अम्बा थाना लगभग विश्व 23 वर्षों से है और पीड़ितों व धानालों के स्थानान्तर से पहले अम्बा थाना में लगभग अम्बा थाना में दलालों की अपराधिकारी और मार-

पहुंच जाते हैं तथा दलाल के इशारे पर पी-डिटों के साथ बदलसलूकी किया जाता है। अश्वीलता से भरी गाली अम्बा थाना के पदेन पत्राधिकारियों द्वारा दिया जाता है। काउंटर मुकदमा दर्ज किया जाता है। और धानेदार का अंजाम देने वाले के मुकदमा पीड़ितों से पहले दर्ज कर दिया जाता है। इसे मुकदमों को सत्य कर देने के बाद उन्होंने खालिक पत्र देते हैं। इससे इनकार नहीं किया जाता है।

जानानत याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायालय के आदेश को भी लगातार धानेदारों द्वारा अवहेलना होता है फिर भी बरीय पदाधिकारी इस पर संज्ञान नहीं ले पाते हैं। इससे इनकार नहीं किया जा सकता है। धानेदारों के सामने वरीय पदाधिकारियों का क्या मजबूरिया है वह तो पता नहीं है। उच्चस्तरीय जांच में ही जांचोंपरांत, यह पता चल पायेगा कि धानेदारों के मनमानी की छूट कर्त्ता है और धानेदार द्वारा अमलालों पर जुलूम की कहर क्यों द्वारे जाते हैं तथा वरीय पदाधिकारी तमाशबीन क्यों हैं?

ग्रेप स्टेज-3 का अनुपालन नहीं करना पड़ा नहंगा!

परियोजना पर 50-50 लाख की लगा जुमारा। 13 अन्य पर 50-50 हजार

नोएडा समाज जागरण डेस्क

इस समय दिल्ली एनसीआर की हालत घटन भरी है, बायु की गुणवत्ता बद से बदर हो चुका है। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के द्वारा जनपद गौतमबुद्धनगर में स्टेज-3 लग्या है। इसके बावजूद भी नियमांधीन परियोजना पर उचित व्यवस्था नहीं किया गया है। जिसके कारण नोएडा तथा ग्रेटर नोएडा के विभिन्न परियोजना पर 1 करोड़ 56 लाख की जुमारा लगाया गया था। इसके अलावा आप से मिली लगातार 126 में खनन करते हुए पाये जाने पर 1 जेसीबी समत 3 ट्रैक्टर जब्द किए गए हैं। इसके साथ ही दोपियों पर 5 लाख 80 हजार की जुमारा लगाया गया है। 1 उम्प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के विभिन्न परियोजना पर 1 करोड़ 56 लाख की जुमारा लगाया गया था। इसके अलावा 13 परियोजनाओं पर लगातार 50-50 हजार की जुमारा लगाया है, जिसमें अलावा 1 जेसीबी समत 3 ट्रैक्टर जब्द किए गए हैं। इसके साथ ही दोपियों पर 5 लाख 80 हजार की जुमारा लगाया गया है। 1 उम्प्र० प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, नोएडा 2, मेसर्स सेक्टर-10, ग्रेटर नोएडा के एल०एल०पी०, प्लॉट नं० ३००-०१, सेक्टर-४३, ग्रेटर नोएडा। 50.0 हजार, मेसर्स प्रियश ई कोम एल०एल०पी०, खसरा नं० ११७-१२०, ग्राम भवीपुर, इकोटेक-३ ग्रेटर नोएडा। 50.0 हजार, मेसर्स प्रियश ई कोम एल०एल०पी०, खसरा नं० ११८-१२०, ग्राम गुलिस्तानपुर निकट। 50.0 हजार, इकोटेक-३, ग्रेटर नोएडा। 50.0 हजार की जुमारा लगाया गया है। इसके अलावा 185 ग्राम गुलिस

स्थापना दिवस विशेष

रवर्ग देखना है तो आइए उत्तराखंड !

डॉ घनश्याम "बादल"

यदि उत्तर भारत में पहाड़ों का सौन्दर्य देखने की ललक है, तो उत्तराखंड से बहेतर कई दूसरा स्थान नहीं है।

दो धाम का अकेला मालिक

उत्तराखण्ड चार धामों में से दो धाम ब्रह्मानाथ व केदरानाथ का मालिक है।

। इसके अलावा यमुनोत्री , गंगोत्री , लंका , गँगामुख , तपोवन, नंदननम, रक्तवन, हर्षवल, मंसूरी , हरिद्वार, ऋषिकेश, देहरादून जैसे एक से बढ़कर, एक धार्मिक व पर्यटन के लिहाज से दर्शनीय स्थलों से युक्त है। यहां राजाजी नेशनल पार्क व जिमकार्बेट नेशनल पार्क जैसे प्राकृतिक सौन्दर्य से पर्याप्त बन क्षेत्र तो हैं ही।

नदियों के रूप में गंगा, यमुना, भागीरथी, जाह्वी, नीलगंगा, बाणगंगा जैसी छोटी बड़ी नदियां उत्तराखण्ड की सुंदरता को चार चांद लगा रही हैं। जब भीरोग गर्मी से नहीं मन दोनों ही ताजा जाएं तब शीतलता पाने और पुण्य कमाने दोनों ही लिहाज से उत्तराखण्ड चले आइए मन तो तृप्त होगा ही तन भी ताजगी व स्फूर्ति से भर उठेगा।

पहाड़ व प्रकृति का सौंदर्य

उत्तराखण्ड में घृमेने फिरने और रहने व खाने पोने के लिहाज इनमा कुछ है कि मन भरने का सबल ही नहीं उठता। एक बार में कोई सा भी एक रास्ता नदियों तथा घृमों में हफ्ता या पर्यावारा नहीं महीनों आराम से बिताए जाएं तक सकते हैं। यमुनोत्री की गह पकड़ी तो अलग सौन्दर्य और गंगोत्री की गहता पकड़ा तो प्रकृति की अलग छाता मन मोहने तैयार ! मोक्ष का द्वार, हरिद्वार दिल्ली की तरफ से आने पर वाया मेरठ, मुजफ्फरनगर होते हुए शिक्षा के नगर रुद्धों को पार करके महज 31 किलोमीटर की दूरी पर तीरों का तीर्थ हरिद्वार आपका स्वागत करने को तपत मिलेगा। यहां अप पतिपावनी गंगा के दर्वाजे स्व नमान का लाभ तो लेंगे ही, हर की पाँड़ी से गंगा का स्वच्छतम जल भी साथ ले जा सकते हैं और शाम सात बजे गंगा की मनोरम आरती व जिलमिल दीपों के प्रकाश में गंगा पैदा की दिलकश शोभा देखने को मिलती है। हजारों दीपों को गंगा में प्रवाहित होते देखना अपने अप में एक अनुपम ही अनुभूति देता है।

मनभावन ऋषिकेश

केवल 28 किलोमीटर दूर, ऋषिकेश के रूप में एक और मनोरम स्थल बहिं फैलाए आपके स्वागत में तैयार है। शिवालिक श्रीणी में बसे ऋषिकेश में पवित्र गंगा तो ही ही यहां लक्षण छूता, रामझूता, गीता भवन, मुनि की रेती, शिव मंदिर देखने के साथ साथ अप बोटिंग, रापिंग, कैरोबिंग, ब्याकिंग जैसे वाटर गेम्स का आनंद भी भरपूर मात्रा में ले सकते हैं।

भोले का नीलकंठ

यदि आपको ट्रैकिंग करनी है तो गीता भवन के पास से ही नीलकंठ का गहता पकड़ लैजिए और महज 20 -22 किमी की दूरी पर ही बसे विव प्रसिद्ध नीलकंठ धाम की गंगा पर ध्यान रहे हैं और नीलकंठ के दर्शन में एक तरफ बहिं फैलाए आपके स्वागत में तैयार है। शिवालिक श्रीणी में बसे ऋषिकेश में पवित्र गंगा तो ही ही यहां लक्षण छूता, रामझूता, गीता भवन, मुनि की रेती, शिव मंदिर देखने के साथ अप बोटिंग, रापिंग, कैरोबिंग, ब्याकिंग जैसे वाटर गेम्स का आनंद भी भरपूर मात्रा को ले सकते हैं।

यहां से गँगामुख पास ही है यहां के पावन सौन्दर्य के तो कहने ही क्या ! हालांकि अब प्रदूषण यहां तक भी पहुंच गया है पर मैदानों से तो कम ही है। गाय के मुख की आकृति वाली चूड़ानों से निकली छोटी सी गंगा को देखकर यकीन नहीं आता कि यही गंगा उत्तरी वर्षां में गंगा पैदा की दिलकश शोभा देखने को मिलती है। हजारों दीपों को गंगा में प्रवाहित होते देखना अपने अप में एक अनुपम ही अनुभूति देता है।

तो खैर एक बोनस के रूप में मिलते ही हैं।

खड़न मंडन का टिहरी

नील कण्ठ से वापस होकर आप यदि गंगोत्री धाम की गंगा पर निकलें तो बस समझिये कि कि आप धरती पर ही स्वर्ग का आनंद लेने जा रहे हैं। हिंदू धरार करके व ऋषिकेश से थोड़ा पहले ही आप नर्न-द्वन्द्वनगर होते हुए टिहरी (जो अब न्यू टिहरी

उत्तराखण्ड चार धामों में से दो धाम ब्रह्मानाथ व केदरानाथ का मालिक है।



स्वर्ग की सीढ़ियां

टाउन के नाम से जाना जाता है) से जब गुजरेंगे तो वहां आपको एक साथ ही खंडन और मंडन का नजारा देखने को मिल जाएगा। टिहरी डैम के बनने के क्रम में पुराना टिहरी डैम में डुबा दिया गया था और तब न्यू

टिहरी टाउन अस्तित्व में आया है, आज भी बांध का जल अगर ठहरा हुआ और साफ हो तो पुराने टिहरी के अवशेष उसमें नजर आते बताए जाते हैं।

मनोरम लंका

उत्तरकाशी से गंगोत्री के लिये चलने पर आठ दस किमी की दूरी पर ही है लंका नाम का सुंदर सा और मनोरम छाता वाला रमणीय स्थान ! जी हां आप चौंक गए होंगे भारत में लंका का नाम सुनकर, ये रावण की लंका नहीं है, पर है वहूं ही सुंदर शायद उसकी सोने की लंका से भी ज्यादा मनोरम और शांति देने वाली । लंका से कुछ ही दूरी पर भैरोंघाटी का प्राचीन व एतिहासिक मंदिर लंका से एक छोटे से पुल से जुड़ा हुआ है कहा जाता है कि इस पुल का निर्माण टिहरी के महाराजा ने कराया था व्याकोंक इससे पहले यहां मौजूद एक छूला पुल से गुजरते हुए उनकी रानी का गर्भपात हो गया था । लंका से भैरोंघाटी पांड़ी की लंका से जाएंगे तो काफी दूर

लगेगा पर पहाड़ों के बीच से शॉटिंग की बाहर तो इसपर भी चढ़ाई चढ़ाई की हिम्मत हो। यहां से गंगोत्री पास ही है रास्ते में आप पटांगना पावर हाउस, पांडव गुफा, रुद्रगंगा, व भागीरथी के संगम का अवलोकन भी करते चलें। द्वारादी कुँड व उत्तराखण्ड भी आप को महाभारतकालीन पांडवों के संघर्षों की याद दिला देगा। यहां पर गोरी कुँड भी मौजूद है।

गंगा का उद्भव गंगोत्री

गंगोत्री पहुंच कर आराम फरमाए या फिर सूरज कुँड में रोद रूप में बहती गंगा के दर्शन मात्र से ही सारी थकान दूर हो जाती है। पास ही गढ़वाल मंडल विकास निगम का गेस्ट हाउस भी है। थकान दूर हो तो गंगोत्री मार्दिंग में दर्शन कर पुण्य का संचय किएजिए कहा जाता है कि यहां गंगा के दर्शन करने से जन जन्मार के पाप में जाते हो जाते हैं। गर्त में मई जून में भरी ठंडे अपानी कंपकंपी छुटा देते हो तो अश्रु न किंजिपाणा इत्यरित् गर्म कपड़े साथ ले जाना न भूलें। गंगोत्री के साथ ही चीड़बासा व भोजबासा जरूर जाएं और वहां से भौतिक साथ लाना न भूलें। यहां स्त्रीपिंग बैस में सेने का भी एक अलग ही मजा है।

यहां से गँगामुख पास ही है यहां के पावन सौन्दर्य के तो कहने ही क्या ! हालांकि अब प्रदूषण यहां तक भी पहुंच गया है पर मैदानों से तो कम ही है। गाय के मुख की आकृति वाली चूड़ानों से निकली छोटी सी गंगा को देखकर यकीन नहीं आता कि यही गंगा उत्तरी वर्षां में गंगा पैदा की दिलकश शोभा देखने को मिलती है। हिंदू धरार तो इसके तापां और श्रद्धालुओं को वार बार 'भोले' के जययोगों और श्रद्धालुओं को वार बार 'भोले' कह कर बुलाते व सुनते हुए रास्ता कब कट जाता है पता भी नहीं चलता, पहाड़ी सौन्दर्य के दर्शन

की वजह से भारी भरकम भीड़, भी रस्ते ही है और नीलकंठ के दर्शन में एक तरफ बहिं फैलाए आपके स्वागत करने के लिये चलता है। शिवालिक श्रीणी में बसे ऋषिकेश में पवित्र गंगा तो ही ही यहां लक्षण छूता, रामझूता, गीता भवन, मुनि की रेती, शिव मंदिर देखने के साथ साथ अप बोटिंग, रापिंग, कैरोबिंग, ब्याकिंग जैसे वाटर गेम्स का आनंद भी भरपूर मात्रा में ले सकते हैं।

यहां से गँगामुख पास ही है यहां के पावन सौन्दर्य के तो कहने ही क्या ! हालांकि अब प्रदूषण यहां तक भी पहुंच गया है पर मैदानों से तो कम ही है। गाय के मुख की आकृति वाली चूड़ानों से निकली छोटी सी गंगा को देखकर यकीन नहीं आता कि यही गंगा उत्तरी वर्षां में गंगा पैदा की दिलकश शोभा देखने को मिलती है। हिंदू धरार तो इसके तापां और श्रद्धालुओं को वार बार 'भोले'

के जययोगों की सुंदरता की प्रशंसा की जाए जाए। यहां के जययोगों और श्रद्धालुओं को वार बार 'भोले' कह कर बुलाते व सुनते हुए रास्ता कब कट जाता है पता भी नहीं चलता, पहाड़ी सौन्दर्य के दर्शन

की वजह से भारी भरकम भीड़, भी रस्ते ही है और नीलकंठ के दर्शन में एक तरफ बहिं फैलाए आपके स्वागत करने के लिये चलता है। शिवालिक श्रीणी में बसे ऋषिकेश में पवित्र गंगा तो ही ही यहां लक्षण छूता, रामझूता, गीता भवन, मुनि की रेती, शिव मंदिर देखने के साथ साथ अप बोटिंग, रापिंग, कैरोबिंग, ब्याकिंग जैसे वाटर गेम्स का आनंद भी भरपूर मात्रा में ले सकते हैं।

यहां से गँगामुख पास ही है यहां के पावन सौन्दर्य के तो कहने ही क्या ! हालांकि अब प्रदूषण यहां तक भी पहुंच गया है पर मैदानों से तो कम ही है। गाय के मुख की आकृति वाली चूड़ानों से निकली छोटी सी गंगा को देखकर यकीन नहीं आता कि यही गंगा उत्तरी वर्षां में गंगा पैदा की दिलकश शोभा देखने को मिलती है। हिंदू धरार तो इसके तापां और श्रद

आज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के दो दिवसीय अव्यास वर्ग का शुभारंभ

ब्लूरे शमीम अहमद सिद्दीकी
दैनिक समाज जागरण



बिजनौर नजीबाबाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद बिजनौर विभाग के दो दिवसीय विभाग अव्यास वर्ग का शुभारंभ हल्लोर गुप ऑफ कॉलेज में किया गया जिसमें मुख्य अधिकारी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से प्रांत मंत्री सुश्री क्षमा पंडित जी, प्रांत उपाध्यक्ष दिनकर मलिक जी, प्रांत छात्रा प्रमुख डॉकर जही अध्यापक जी, जिला संयोजक बिजनौर सुधार्शु चाहल, जिला संयोजक रचित राजपूत रहे समानित मंत्री वर्ग का शुभारंभ जान दियी गयी मां सरस्वती और युवाओं के प्रेरणा स्तर स्वायत्र विवेकानन्द की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित व पुष्प अर्पित कर किया गया। प्रांत छात्रा प्रमुख डॉकर जही अध्यापक जी अध्यापक जी का स्वागत किया गया।

मातदाता जागरणका अग्रिमान को लेकर माजपा कार्यकर्ताओं ने बनाए नये वोट

ब्लूरे शमीम अहमद सिद्दीकी
दैनिक समाज जागरण



बिजनौर नजीबाबाद भारतीय जनता पार्टी नजीबाबाद के कार्यकर्ताओं ने पार्टी शार्प नेतृत्व के निदेशनीय अपने-अपने अधिकारी वृथ पर रहकर वोटर लिस्ट का अवलोकन किया तथा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवक युवतियों के बीच बनवाने का कार्य किया बृथ नंबर 107,108,109, 109 राहतपुर पर सेंटर संयोजक राहतपुर नरपाल सिंह, नौबाहर सिंह के नेतृत्व में बीपालओं शुभपूता खान, सोनिया रानी, ऋतु राजपूतों के साथ समन्वय बनाकर सात बोट बनवाए तथा 5 बोट के कटवाने एवं दो मंत्रियों जो के नाम का संशोधन कराया भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता जीवधी इंशम सिंह ने अपने शक्ति के द्रव विजयपुर के संयोजक डॉ मयंक चौहान एवं वृथ अध्यक्ष उदय राज सिंह के साथ जिला मंत्री बलराज तथा जी, शक्ति के द्रव प्रभारी अधिकारी इंशम सिंह, संयोजक डॉ मयंक चौहान, कपिल राजपूत, तथा जी के नेतृत्व 12 बोट नंबर 134

विजयपुर पर बनवाये तथा सात बोट मुक्त होने के कारण फार्म सांस के माध्यम से कटवाए गए भारूबाला मंडल के वृथ संख्या 107,108,109, 109 राहतपुर, 133 १०१२ १३१०२, १३४ विजयपुर, 168,168 जसवन्तपुर संख्या 107,108,109, 109 राहतपुर, 133 १०१२ १३१०२, १३४ विजयपुर, 168,168 जसवन्तपुर लुकाडी पर बीपालओं वृथ अध्यक्ष उदयराज सिंह जी, जिला मंत्री बलराज तथा जी, शक्ति के द्रव प्रभारी अधिकारी इंशम सिंह, संयोजक डॉ मयंक चौहान, कपिल राजपूत, तथा जी के नेतृत्व 12 बोट नंबर 134

प्रत्र गृहस्थी कार्ड धारकों के आगुणान कार्ड जल्द से जल्द बनाए जाएं - कलाना जापसवाल

दैनिक समाज जागरण

बिजौली आई एम खान। एसडीएम कलाना जापसवाल से संपर्कर में आयोजित बैठक में सभी बीडीओ, सीटीपीओ, पूर्ण विभाग व कोटेदारों को पात्र कांडधारकों के अयुपान कार्ड बनाये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा संचालित आयुष्मान भव योजना के तहत छः या उससे अधिक यूनिट वाले पात्र गृहस्थी कांडधारकों के अयुपान कार्ड जल्द से जल्द बनाए जाए। इसके अलावा साठ वर्ष से अधिक वृद्ध लोगों के भी अयुपान कार्ड बनाये जाएं।



प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलेगा निःशुल्क सिलेप्डर

ब्लूरे समाज जागरण जौनपुर

जौनपुर। जिलापूर्ति अधिकारी ने बताया कि प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद अनुभाग ३०२० शासन लखनऊ एवं आयुक्त खाद्य तथा रसद विभाग ३०२० जबाबद भवन लखनऊ के कार्यालय द्वारा अप्राधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क एसेन्डर रिफिल दिये जाने हेतु वित्तीय वर्ष 2023-24 के प्रथम चरण माह नवम्बर से दिसंबर 2023 तक द्वितीय चरण जनवरी से मार्च 2024 तक निःशुल्क सिलेप्डर रिफिल प्रदान किये जाने की स्वीकृति निम शर्तों के अधीन दी गयी है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थी को ही निःशुल्क सिलेप्डर वितरित किया जाना है। उन्होंने

बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के बही लाभार्थी उक्त योजना के पात्र होंगे जिनके बैक खाते से आधार लिंक/आधार प्रमाणीकरण के खाते में अलग किया जायेगा। इस योजना के अन्तर्गत एसीटीसी के लाभार्थियों के जिनका आधार बैक खाते से तथा प्रस्तुति/प्रमाणित होकर लिंक है। इस सर्वथर्थ उन्ही लाभार्थियों को इस योजना का लाभ दिया जाना है। अतएव उक्त के द्वायत जपद के समस्त उज्ज्वला योजना के जिन लाभार्थियों के बैक खाते से उनके आधार का लिंक/प्रमाणीकरण अव तक नहीं हुआ है, वे तत्काल सम्पर्कित होने एवं बैक से सम्पर्कित/प्रमाणित होकर लिंक है। डाक अधीक्षक के मुताबिक हेमंत कुमार ने दी है। डाक अधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि का भुगतान पाने के लिए किसान अब डाकघर में इडिया पोस्ट पेमेंट बैक का खाता खुलवा कर दे सकते हैं। उक्त आशय की जानकारी बलिया डाक अधीक्षक हेमंत कुमार ने दी है।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं। किसानों की सुविधा के लिए सभी विकास खंडों पर डाक विभाग के कर्मचारियों को बैक सुविधा दाता तैनात कर दिया गया है। डाक अधीक्षक के मुताबिक हेमंत कुमार ने दी है।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आधीक्षक हेमंत कुमार ने बताया कि उप निदेशक कृषि के मुताबिक जिसे में किसान समान निधि के लिए 40000 खाते खोले जाने हैं।

उक्त आ

